मिशन शिक्षण संवाद

जनपद फ़तेहपुर की प्रस्तुति

भारत में हुए प्रमुख आन्दोलन

चम्पारण आन्दोलन
असहयोग आन्दोलन
भारत छोड़ो अन्दोलन
ख़िलाफ़त आन्दोलन
खेड़ा आन्दोलन
सविनय अवज्ञा आन्दोलन
नमक सत्याग्रह आन्दोलन

निर्देशन
श्रीमती नीलम भदौरिया
संयोजक मिशन शिक्षण संवाद
जनपद फ़तेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
17/08/2020

चम्पारण आन्दोलन

दिन
सोमवार

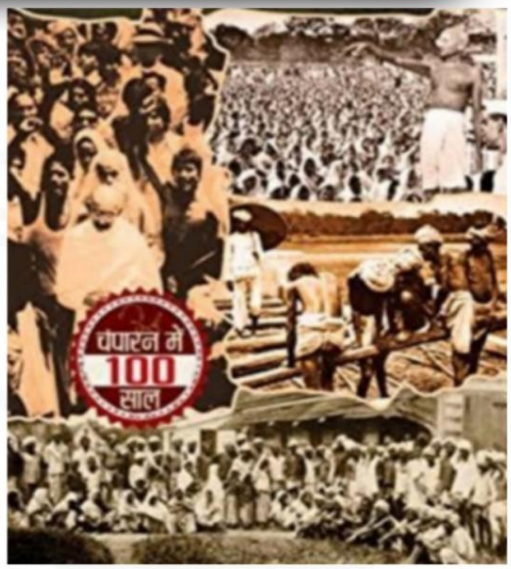

बिहार का चम्पारण जिला,
गाँधी जी ने पहला सत्याग्रह किया था।
जहाँ किसानों को 3/20 भाग पर खेती,
करने को यूरोपियों ने मजबूर किया था।।

राजकुमार शुक्ल के निमन्त्रण पर,
गाँधी जी चम्पारण आए।
जिससे तीन कठिया प्रथा को,
जल्द ही निवारित किया जाए।।

गाँधी जी के समर्थन में,
हजारों कृषक थे आए।
यूरोपियों से निलहों को,
25 प्रतिशत राशि थे दिलवाए।।

गाँधी जी, जे.बी.कृपलानी,
बृजकिशोर और मजरुल हक।
नरहरि पाखर,राजेन्द्र प्रसाद ने,
किसानों को दिलवाया उनका हक।।

रचनाकार
उषा देवी (स.अ.)
प्राथमिक विद्यालय तलकापुर
हथगाम-फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
18/08/2020

असहयोग आन्दोलन

दिन
मंगलवार

महात्मा गाँधी ने अंग्रेजों की,
ज्यादतियों का विरोध किया।
1अगस्त 1920को असहयोग,
आंदोलन की शुरुआत किया।।

कलकत्ता अधिवेशन में गाँधी ने प्रस्ताव किया,
1वर्ष में पूर्ण स्वराज्य का लक्ष्य घोषित किया।
सरकारी स्कूल कालेज का बहिष्कार हुआ,
ब्रिटिश अदालतों का बहिष्कार हुआ।।

गाँधी जी ने केसर-ए- हिन्द उपाधि लौटा दिया,
इसने अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दिया।
हिन्दू मुस्लिम एकता का हुआ प्रसार,
अब जाकर पंचायती अदालतों के हुआ विस्तार।।

5 अप्रैल 1922 में चौरी चौरा कांड हुआ,
इस घटना ने गाँधी को झकझोर दिया।
हिंसक घटना ने गाँधी के प्रण को तोड़ दिया,
महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन को रोक दिया।।

रचनाकार
मंदाकिनी गौर (स. अ.)
प्रा. वि. अकिलाबाद द्वितीय
खजुहा- फ़तेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
19/08/2020

भारत छोड़ो आन्दोलन

दिन
बुधवार

भारत के दुर्दिन दूर भगाने,
भारत माँ का संताप मिटाने।
गाँधी ने अभियान चलाया,
अंग्रेजों भारत छोड़ो,... छोड़ो।।

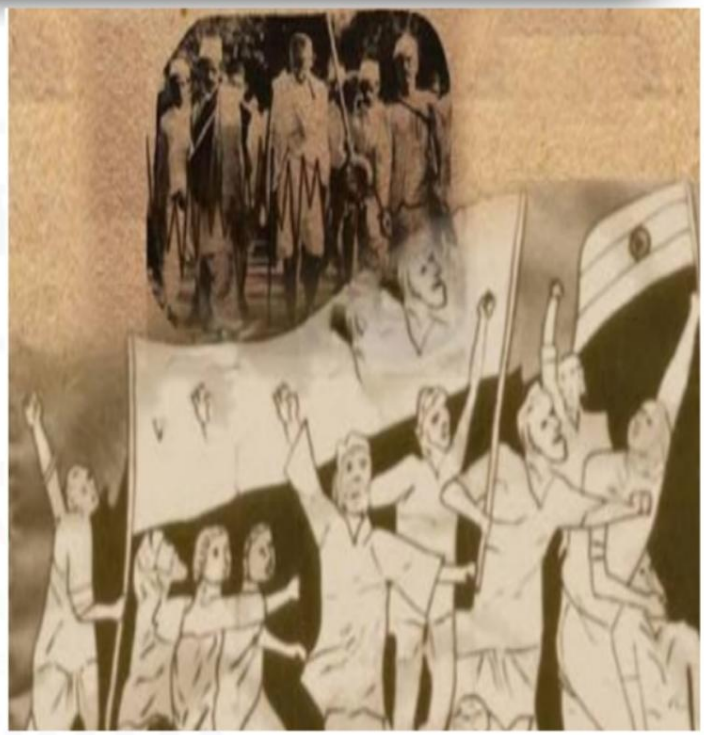

9 अगस्त 1942 के आंदोलन में,
गाँधीजी नजरबंद हो गए।
अंग्रेजों के दमन चक्र में,
दस सहस्त्र सेनानी दफन हो गए।।

करो या मरो का मंत्र फूँक कर,
भारतवासियों को ललकारा।
उठो लक्ष्य को प्राप्त करो,
यही सुअवसर आज तुम्हारा।।

सत्य अहिंसा के हम सेवक,
पर कायरता स्वीकार नहीं।
भगाओ दूर फिरंगियों को,
अब सहेंगे अत्याचार नहीं।।

रचनाकार
शुभा देवी (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली-फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक 20/08/2020

ख़िलाफ़त आन्दोलन

दिन गुरुवार

प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन, फ्रांस, इटली ने,
जब जर्मनी ऑस्ट्रिया व तुर्की को हराया।
बेटे ने तुर्की साम्राज्य ऑटोमन का विभाजन कर,
तुर्की सुल्तान को खलीफा पद से हटाया।

अपने कमाल पाशा, धार्मिक गुरु, का अपमान देख,
समस्त विश्व का मुसलमान तिलमिलाया।
तब भारत में अली बंधुओं व मौलाना अबुल कलाम ने,
अलहिलाल कामरेड अखबार में विरोध छपवाया।।

1 सितंबर 1919 में ख़िलाफ़त कमेटी बनाई,
17 अक्टूबर को गया ख़िलाफ़त दिवस मनाया।
23 नवंबर को एक महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस कराई,
फ़जलुल हक की अध्यक्षता में दो प्रमुख मांगे सुनाई।।

गांधी, तिलक व कांग्रेसी नेता कमेटी में हुए शामिल,
फरवरी 1920 को हिंदू मुस्लिम के संयुक्त दल ने।
उपाधि, नौकरी और टैक्स का बहिष्कार कर,
20 जून 1920 को असहयोग आंदोलन चलवाया।।

रचनाकार
सरस्वती देवी (स०अ०)
पू०मा०वि०टिकरी मनौटी
खजुहा-फ़तेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
21/08/2020

खेड़ा आन्दोलन

दिन
शुक्रवार

अकाल से खेड़ा की कमर है टूटी,
फिरंगी को लाज न आयी।
पेट पीठ सब एक हो गये,
फिर भी लगान चढ़ा है भारी।।

देख किसानों के हालात,
बापू का गया कलेजा कांप।
अब होगा सहयोग न हमसे,
सुनके समझे सत्ता सारी।।

भूमिपुत्र की दशा देखकर,
दौड़े तब सरदार पटेल।
कोर्ट कचेहरी भूल गये सब,
अपनों का मोह हृदय पर तारी।।

पहला-पहला सत्याग्रह था,
फिरंगी ने मुँह की खायी।
नैतिकता का परचम लहराया,
गोरों में खामोशी छायी भारी।।

रचनाकार
डॉ०श्रद्धा अवस्थी (स०अ०)
उ.प्रा.वि.- सनगाँव
हँसवा-फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
22/08/2020

सविनय अवज्ञा आन्दोलन

दिन
शनिवार

इस आंदोलन की हुई शुरुआत,
जब अंग्रेजों ने अत्याचार ढाया था।
नमक कानून को तोड़कर,
गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा चलाया था।।

बात है ये 1930 के अप्रैल की,
ब्रिटिश नींव को कमजोर बनाने की।
महिलाओं ने भी किया था प्रदर्शन,
किसान, मजदूर का भी था सम्मिलन।।

सरकारी सेवाओं का किया बहिष्कार,
विदेशी कपड़ों को जलाकर किया राख।
कार्यालयों में भारतीयों ने जाने से किया इन्कार,
अंग्रेजों की हिला डाली शाख।।

बुलाया गया था गाँधी जी को,
लंदन में गोलमेज सम्मेलन में।
अंत हो गया इस आन्दोलन का,
गांधी-इरविन के समझौते से।।

रचनाकार
हेमलता यादव (स०अ०)
प्रा०वि०बेतीसादात
भिटौरा-फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
23/08/2020

नमक सत्याग्रह आन्दोलन

दिन
रविवार

हो गया था अत्याचार अब पार,
कर दिया था दुष्टों ने अपना चीत्कार।
लगाया कर हमारे नमक पर,
पहुंचा दिया जनता को भुखमरी के कगार।।

तब एक लौह पुरुष ने उनसे लिया लोहा,
भारत की जनता की ताकत से उनको रोका।
चला दिया एक सत्याग्रह विशाल,
पहुंचा दिया साबरमती से दांडी आज।।

नमक कानून था एक असहनीय प्रावधान,
जनता को अत्यधिक बनाया गुलाम।
गांधी जी के प्रण के आगे हुआ उनका चैन हराम,
दांडी में नमक बनाकर तोड़ा यह असहनीय प्रावधान ।।

झुकना पड़ा आखिर उन लूटेरों को,
हट गया कर अब अपने बाशिंदों पर से।
पूरे देश ने दिया गांधी जी का साथ,
हट गया आखिर यह असहनीय प्रावधान।।

रचनाकार
अंजली मिश्रा (स.अ.)
प्राथमिक विद्यालय असनी 1
भिटौरा-फतेहपुर